ॐ जय श्री श्याम हरे ॐ जय श्री श्याम हरे ॐ जय श्री श्याम हरे 龙 श्री श्याम ॥ प्रारंभ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे। खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

रतन जड़ित सिंहासन, सिर पर चंवर ढुरे। तन केसरिया बागो, कुण्डल श्रवण पड़े ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

गल पुष्पों की माला, सिर पार मुक्ट धरे। खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जले ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

मोदक खीर चूरमा, सुवरण थाल भरे। सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

झांझ कटोरा और घडियावल, शंख मृदंग घुरे। भक्त आरती गावे, जय-जयकार करे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे ॐ जय श्री श्याम हरे ॐ जय श्री श्याम हरे

ॐ जय श्री श्याम हरे

जय श्री श्याम हरे

क्ष

जय श्री श्याम हरे

ॐ जय श्री श्याम हरे

龙

जय

ગ્રહ

龙

जय श्री श्याम

38

龙

जय श्री श्याम

१%

जय श्री श्याम

ॐ जय श्री श्याम हरे ॐ जय श्री श्याम हरे ॐ जय श्री श्याम हरे को ध्यावे फल पावे, सब दुःख से उबरे।
सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

龙

श्री श्याम

जय

38

龙

जय श्री श्याम

38

松

जय श्री

श्री श्याम बिहारी जी की आरती, जो कोई नर गावे । कहत भक्त-जन, मनवांछित फल पावे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

जय श्री श्याम हरे, बाबा जी श्री श्याम हरे। निज भक्तों के तुमने, पूरण काज करे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे। खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे॥

॥ इति॥

ॐ जय श्री श्याम हरे ॐ जय श्री श्याम हरे ॐ जय श्री श्याम हरे

ॐ जय श्री श्याम हरे

श्री श्याम हरे

क्ष

जय श्री श्याम

刘

ॐ जय श्री श्याम त